एजाइल किड्स

दैनिक कार्यों का आसान प्रबंधन करना

बच्चों की जवाबदेही

सरलता

पारिवारिक संवाद की धड़कन

सशक्तिकरण

मेरा बॉस कौन है?

बच्चों का सशक्तिकरण
(कानबान तरीके से)

द्वारा
शर्ली रोनेन–हारेल
डैनी (डैन्को) कोवाच

हिंदी अनुवादः संजीव शर्मा

एजाइल किड्स

मेरा बॉस कौन है?

परिवार और बच्चों का एजाइल के ग्लोबल फ्रेमवर्क के माध्यम से सशक्तिकरण
(कानबान तरीके से)

लेखक:

शर्ली रोनेन – हारेल (Shirly Ronen – Harel)

डैनी (डैन्को) कोवाच (Danny (DanKo) Kovatch)

हिंदी अनुवादकर्ता:

संजीव शर्मा (Sanjivv Ssharma, PMP, CSM)

कॉपीराइट नोटिस

एजाइल किड्स

इस पुस्तक को पूर्ण रूप से या इसके किसी भी भाग को कम्प्यूटर, अन्य इलेक्ट्रॉनिक साधनों, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, प्रिंटिंग, रिकॉर्डिंग या किसी भी अन्य प्रकार से बिना कॉपीराइट धारक की पूर्व लिखित अनुमति के वितरित या इसका अन्य कोई व्यापारिक उपयोग नहीं किया जा सकता है|

कॉपीराइट @2015

एजाइल किड्स के **अंग्रेजी संस्करण** के लिए संपर्क करे:

शर्ली रोनेन - हार्ले

shirly@agilesparks.com

एजाइल किड्स के **हिंदी संस्करण** के लिए संपर्क करे:

संजीव शर्मा

sanjivvssharma@infotiate.com

विषय वस्तु:

एजाइल और इसकी परिवार के लिए उपयोगिता क्या है? 5
अध्याय 1: मेरा बॉस कौन है? 6
अध्याय 2: एजाइल किड्स – परिचय 10
अध्याय 3: शुरुआत करना 18
अध्याय 4: टास्क बोर्ड 22
अध्याय 5: होममेड स्प्रिंट 30
अध्याय 6: अभिभावक, बच्चे और इनके बीच का सभी कुछ 34
अध्याय 7: फॅमिली रेट्रोस्पेक्टिव सेशन 40
अध्याय 8: घर के नियम स्थापित करना 44
अध्याय 9: यह सब किस बारे मे है? 49
अध्याय 10: बाहरी सहायता का उपयोग करना 56
अध्याय 11: बच्चों से उनकी टास्क (कार्य) करवाना 64
अध्याय 12: टास्क: इसे परिभाषित करना, इस पर कार्य करना और इसे समाप्त करना 72
अध्याय 13: शू-हा-री 81
अध्याय 14: टास्क बोर्ड्स: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण 90
अध्याय 15: उपयोगिता और सिद्धांत 132
अध्याय 16: माता-पिता का नेतृत्व 134
अध्याय 17: ड्रिलिंग डाउन – द फाइव व्हाईज़ 137
अध्याय 18: फॅमिली काईज़ेन – निरंतर सुधार करना 139
अध्याय 19: यह सब कैसे शुरू हुआ था 151
अध्याय 20: एजाइल मेनिफेस्टो 155
अध्याय 21: '"एजाइल किड्स" के विश्व भाषाओं के संस्करण 156

प्रिय पाठकों,

एजाइल एक अम्ब्रेला टर्म (व्यापक पारिभाषिक शब्द) है| एजाइल में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से सम्बंधित अनेक मेथड्स और प्रोसेसेस शामिल रहती हैं| एजाइल प्रैक्टिसेज (कार्यव्यवहार) लगभग 90 के दशक की शुरुआत से ही दुनिया में प्रयोग में लाई जा रही हैं|

एजाइल एक संगठित रूप में 2001 में सामने आया, जब एजाइल मेनिफेस्टो (http://www.agilemanifesto.org/) पब्लिश किया गया| इसका वर्णन अध्याय 20 में किया गया है|

सामान्य रूप से एजाइल को समझने का प्रयास करें, तो मैं एजाइल को एक लीडरशिप फिलोसफी (नेतृत्व दर्शन) मानता हूँ| एजाइल स्व-प्रबंधन, जवाबदेही, सहभागिता, पारदर्शिता, टीम वर्क और डिस्ट्रिब्यूटेड लीडरशिप को बढ़ावा देता है| एजाइल समय-असमय होने वाले बदलाओं के प्रति अनुक्रिया (रिस्पांस) करने और निरंतर सुधार करने की प्रक्रिया को आसान व प्रगतिशील बनाता है| इसके लिए एजाइल एक खुला मंच प्रदान करता है, जिसमें आप उपलब्ध अनेक एजाइल मेथड्स व प्रोसेसेस में से अपनी आवश्यकता और सुविधानुसार किसी का भी उपयोग कर सकते हैं|

एजाइल की ये उपरोक्त वर्णित कुछ विशेषताएं और इसका मानव संसाधन केन्द्रित दृष्टिकोण (Human Resource Centric Approach), एजाइल को केवल सॉफ्टवेयर ही नहीं, बल्कि किसी भी क्षेत्र में प्रयुक्त किये जाने हेतु सक्षम बनाता है| एजाइल की यही विशेषताएं एजाइल को हमारे पारिवारिक जीवन में अमल में लाये जाने के लिए भी पूर्ण रूप से उपयुक्त बनाता है|

इस पुस्तक की उपयोगिता और एजाइल को परिवार में अमल में लाने से होने वाले लाभ के महत्त्व को देखते हुए यह पुस्तक **अंग्रेज़ी** (English) के अलावा दुनिया की तीन भाषाओं **हिब्रू** (Hebrew), **स्पेनिश** (Spanish) और **इटालियन** (Italian) में भी अनुवादित की जा चुकी है| वर्तमान में इसका **रूसी** (Russian) भाषा में अनुवाद चल रहा है और मैं इसे **हिंदी** (Hindi) भाषा में आपके लिए प्रस्तुत कर रहा हूँ| (अध्याय 21)|

इस पुस्तक की लेखिका **शर्ली** व लेखक **डेंको** ने एजाइल का अपने-अपने परिवारों में बहुत सफल प्रयोग किया है| उनके अनुभव आप अध्याय 19 में पढ़ सकते हैं|

मुझे विश्वास है, की एजाइल आपके परिवार की प्रगति और विकास में बहुत सहायक होगा|

मेरा बॉस कौन है?

हम आखिर यहाँ कर भी क्या रहे हैं? कौन हमारे बच्चों के लिए निर्णय करता है? हम करते हैं? वे करते हैं? शिक्षक करते हैं?

यह बहुत स्पष्ट है कि किसी ना किसी समय बच्चे चाहेंगे कि वो अपने निर्णय स्वयं लें और बहुत कम उम्र में ही वो ये तय कर लेंगे| क्या पहनें, कब सोने जाएँ| आप जल्द ही इस तरह के वाक्य/बातें सुनना शुरू करेंगे “आप” मेरे बॉस नहीं हैं! या शायद आपने यह सुनना शुरू भी कर दिया हो|

इस बारे में कोई गलती मत कीजिये, इस तरह के वाक्य, बच्चों द्वारा उनकी स्वतंत्रता की ज़रूरत को व्यक्त करने का एक तरीका मात्र हैं| लेकिन अकेले इस वाक्य का समाधान करना समस्या को दूर नहीं करेगा|

बच्चे के विकास का एक अनिवार्य हिस्सा होता है चयन करने की उसकी योग्यता, स्वतन्त्र रहना और जीवन में क्या/जो होता है उसे नियंत्रित करना| बावजूद इस तथ्य के कि उसे एक जिद्दी और दबाव डालने वाले बच्चे के रूप में देखा जा सकता है, एक माता-पिता के रूप में, हमें उसकी स्वतंत्रता को बढ़ावा देना चाहिए|

बच्चे के विकास को सक्षम करने के लिए, बच्चे को उसके विकल्प चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए|

लेकिन कैसे?

सीमाओं का क्या होगा?

इस सत्य के साथ बच्चे के सशक्तिकरण (empowerment) का संतुलन कैसे किया जाए कि बच्चे को अभी भी परिभाषित नियम और सीमाओं की ज़रूरत है?

स्वतंत्रता की सीमा क्या है, जो बच्चे के बढ़ने के साथ स्पष्ट रूप से अलग होगी और हम अपने माता-पिता के अधिकारों को कैसे बनाये रखें?

स्वतन्त्र बच्चे जानते हैं कि कैसे निर्णय लिया जाए| वे इस मार्ग पर आगे बढ़ने के साथ-साथ कुछ गलतियाँ कर सकते हैं, लेकिन हम माता-पिता जानते हैं कि अधिकतर मामलों में हमें उनके निर्णय लेने की ज़रूरत नहीं है| और क्या हम सभी नहीं चाहतें हैं कि हमारे बच्चे स्वतन्त्र हों और यह जानें कि क्या सही है?

नि:संदेह ही, इसमें से कुछ भी नया नहीं है| इस विषय के बारे में पहले ही बहुत कुछ लिखा जा चुका है| हालाँकि, मैंने सुना है, कि इसे अमल में लाने/प्रयोग करने में समस्या है|

ठीक है, बहुत बढ़िया, मुझे पता है कि मुझे आपको समर्थ बनाने की ज़रूरत है| और साथ ही मुझे अपने माता-पिता के अधिकार को भी बनाये रखना है| लेकिन कैसे?

एजाइल किड्स वास्तव में इसी का उपाय करता है|